collegebatch.com

Series S3QRP/3

SET-2

प्रश्न-पत्र कोड **2/3/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (आधार)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 14 है । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।*

(iii) ***खण्ड अ** में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iv) ***खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

collegebatch.com

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) **40 अंक**

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

मैं कब कहता हूँ जग मेरी दुर्धर गति के अनुकूल बने,
मैं कब कहता हूँ जीवन-मरु नंदन-कानन का फूल बने ?
काँटा कठोर है, तीखा है, उसमें उसकी मर्यादा है,
मैं कब कहता हूँ वह घटकर प्रांतर का ओछा फूल बने ?

मैं कब कहता हूँ मुझे युद्ध में कहीं न तीखी चोट मिले ?
मैं कब कहता हूँ प्यार करूँ तो मुझे प्राप्ति की ओट मिले ?
मैं कब कहता हूँ विजय करूँ मेरा ऊँचा प्रासाद बने ?
या पात्र जगत की श्रद्धा की मेरी धुँधली-सी याद बने ?

पथ मेरा रहे प्रशस्त सदा क्यों विकल करे यह चाह मुझे ?
नेतृत्व न मेरा छिन जावे क्यों इसकी हो परवाह मुझे ?
मैं प्रस्तुत हूँ चाहे मेरी मिट्टी जनपद की धूल बने –
फिर उस धूली का कण-कण भी मेरा गति-रोधक शूल बने !

(i) मैं कब कहता हूँ – पंक्ति में 'कब' क्या इंगित करता है ?

(A) सदैव निराकांक्षी (B) सदैव आकांक्षी
(C) सदैव अभिलाषी (D) सदैव अस्थिर

(ii) संसार के विषय में कवि का क्या विचार है ?

(A) संसार उसकी गति से चले (B) संसार तीव्र गति से चले
(C) संसार धीमी गति से चले (D) संसार अपनी गति से चले

(iii) "वह घटकर प्रांतर का ओछा फूल बने" से कवि का तात्पर्य है :

(A) जीवन से विपत्तियों का समाप्त हो जाना
(B) काँटों का फूलों की शरण में चले जाना
(C) विपत्तियों का सुखद परिस्थितियों में ढल जाना
(D) काँटे का कोमल फूल के रूप में बदल जाना

collegebatch.com

(iv) कवि के अनुसार जीवन की सार्थकता क्या है ?

(A) संघर्ष एवं दुखों से लड़ने में

(B) सुख एवं सुविधाजनक स्थिति में

(C) परस्पर ईर्ष्या-द्वेष में

(D) शक्ति प्रदर्शन एवं नेतृत्व में

(v) स्तंभ–I को स्तंभ–II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

	स्तंभ-I		*स्तंभ-II*
1.	जीवन-मरु	(i)	सुखद परिस्थितियाँ
2.	नंदन-कानन	(ii)	विपरीत परिस्थितियाँ
3.	गति-रोधक	(iii)	उत्तरोत्तर उन्नति में बाधक

विकल्प :

(A) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)   (B) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

(C) 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)   (D) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

सुचारित्र्य के दो सशक्त स्तम्भ हैं – प्रथम – सुसंस्कार और द्वितीय – सत्संगति । सुसंस्कार जीवन की सत्संगति व सत्कर्मों की अर्जित संपत्ति है और सत्संगति वर्तमान जीवन की दुर्लभ विभूति है । जिस प्रकार कुधातु की कठोरता और कालिख पारस के स्पर्श से कोमलता और कमनीयता में बदल जाती है, ठीक उसी प्रकार कुमार्गी का कालुष्य सत्संगति से स्वर्णिम आभा में परिवर्तित हो जाता है । सतत सत्संगति से विचारों को नई दिशा मिलती है और अच्छे विचार मनुष्य को अच्छे कर्मों के लिए प्रेरित करते हैं । परिणामत: सुचरित्र का निर्माण होता है । आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने लिखा है – "महाकवि टैगोर के पास बैठने मात्र से ऐसा प्रतीत होता था मानो भीतर का देवता जाग गया हो ।"

वस्तुत: चरित्र से ही जीवन की सार्थकता है । चरित्रवान व्यक्ति ही समाज की शोभा है, शक्ति है । सुचारित्र्य से व्यक्ति ही नहीं, समाज भी सुवासित होता है और इस सुवास से राष्ट्र यशस्वी बनता है । विदुर जी की उक्ति अक्षरश: सत्य है कि सुचरित्र के बीज हमें भले ही वंश परंपरा से प्राप्त हो सकते हैं पर चरित्र-निर्माण व्यक्ति के अपने बलबूते पर निर्भर है । आनुवंशिक परंपरा, परिवेश और परिस्थिति उसे केवल प्रेरणा दे सकते हैं पर उसका अर्जन नहीं कर सकते; वह व्यक्ति को उत्तराधिकार में प्राप्त नहीं होता । व्यक्ति-विशेष के शिथिल चरित्र होने से पूरे राष्ट्र पर चरित्र संकट उपस्थित हो जाता है क्योंकि व्यक्ति पूरे राष्ट्र का एक घटक है । अनेक

collegebatch.com

व्यक्तियों से मिलकर एक परिवार, अनेक परिवारों से एक कुल, अनेक कुलों से एक जाति या समाज और अनेकानेक जातियों और समाज-समुदायों से मिलकर ही एक राष्ट्र बनता है । आज जब लोग राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की बात करते हैं, तब वे स्वयं उस राष्ट्र के आचरक घटक हैं – इस बात को विस्मृत कर देते हैं ।

(i) "सत्संगति वर्तमान जीवन की दुर्लभ विभूति है ।" पंक्ति में रेखांकित पद का आशय हो सकता है :

(A) विलक्षण विचार (B) विलक्षण वैभव

(C) विलक्षण भाव (D) विलक्षण विवेक

(ii) सुचारित्र्य के सशक्त स्तम्भ हैं :

(A) संपत्ति और सुसंस्कार (B) सत्संगति और आनुवंशिकता

(C) सुसंस्कार और परिवेश (D) सुसंस्कार और सत्संगति

(iii) संदर्भ के अनुसार गद्यांश में 'कालुष्य' शब्द का सटीक अर्थ क्या हो सकता है ?

(A) दोष (B) कालिमा

(C) लघुता (D) प्रभास

(iv) गद्यांश के अनुसार सतत सत्संगति से क्या प्राप्त होता है ?

(A) निर्माण को नई दिशा (B) भ्रमण करने का मार्ग

(C) विचारों को नई दिशा (D) विचरण करने का मार्ग

(v) गद्यांश में 'भीतर का देवता' कथन किस बात की ओर संकेत करता है ?

(A) ईश्वर का आभास (B) दिव्यगुणों का आभास

(C) सत्य का आभास (D) परिवेश का आभास

collegebatch.com

(vi) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

कथन I : शिथिल चरित्र से ही जीवन सार्थक है ।

कथन II : शिथिल चरित्र से ही राष्ट्र निर्माण संभव है ।

कथन III : आनुवंशिक परंपरा से ही चरित्र अर्जन संभव है ।

कथन IV : उदात्त चरित्र से ही जीवन की सार्थकता है ।

गद्यांश के अनुसार उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल कथन I सही है ।

(B) केवल कथन II और III सही हैं ।

(C) केवल कथन IV सही है ।

(D) केवल कथन II सही है ।

(vii) 'कुधातु की कठोरता और कालिख पारस के स्पर्श से कोमलता और कमनीयता में बदल जाती है ।' इस उदाहरण के मूल भाव को व्यक्त करने वाली कहावत है :

(A) परहित सरिस धर्म नहीं भाई

(B) बिनु सत्संग विवेक न होई

(C) सठ सुधरहिं सतसंगति पाई

(D) जहाँ सुमति तहँ संपत्ति नाना

(viii) विदुर जी की उक्ति के संदर्भ में क्या सत्य ***नहीं*** है ?

(A) सुचरित्र के बीज परंपरा से प्राप्त हो सकते हैं ।

(B) चरित्र निर्माण व्यक्ति के स्वयं के प्रयासों पर निर्भर है ।

(C) परिस्थिति उसे केवल प्रेरणा दे सकती है ।

(D) चरित्र निर्माण संगति से होता है ।

collegebatch.com

(ix) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के कथन के माध्यम से लेखक ने उल्लेख किया है :

(A) सत्संगति के प्रभाव को

(B) हजारी प्रसाद की उदारता को

(C) महाकवि टैगोर की दिव्यता को

(D) चरित्र निर्माण के प्रयासों को

(x) शिथिल चरित्र सम्पूर्ण राष्ट्र को कैसे प्रभावित करता है ?

(A) राष्ट्र शिथिल हो जाता है

(B) राष्ट्र का विकास रुक जाता है

(C) राष्ट्र का उत्थान करता है

(D) राष्ट्र पर चरित्र संकट उपस्थित हो जाता है

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

(i) यशोधर बाबू अपने मातहतों से छुट्टी के समय मनोरंजक बात क्यों करते थे ?

(A) दिनभर के शुष्क व्यवहार का निराकरण करने के लिए

(B) अपने काम का भार अपने मातहतों पर डालने के लिए

(C) कर्मचारियों को देर तक दफ़्तर में रोकने के लिए

(D) कर्मचारियों और अपने बीच की दूरी समाप्त करने के लिए

(ii) "हम लोगों के यहाँ सिल्वर वैडिंग कब से होने लगी है ।" यह कथन किसके द्वारा किसे संबोधित कर कहा गया है ?

(A) यशोधर बाबू द्वारा अपने बेटे भूषण को

(B) यशोधर बाबू द्वारा अपनी बड़ी बेटी को

(C) यशोधर बाबू द्वारा अपनी पत्नी को

(D) यशोधर बाबू द्वारा चड्ढा को

collegebatch.com

(iii) 'जूझ' कहानी के लेखक को कविता लिखने की प्रेरणा किससे मिली ?

(A) अपने पिता से

(B) अपनी माँ से

(C) न.वा. सौंदलगेकर से

(D) अपने मित्र से

(iv) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और उचित विकल्प का चयन कीजिए ।

कथन I : वसंत पाटील पढ़ने में बहुत कमजोर था ।

कथन II : वसंत पाटील आनंदा का शत्रु था ।

कथन III : वसंत पाटील कक्षा का मॉनीटर था ।

कथन IV : वसंत पाटील कक्षा बारहवीं का छात्र था ।

विकल्प :

(A) कथन I तथा II सही हैं ।

(B) कथन I, II तथा III सही हैं ।

(C) कथन III सही है ।

(D) कथन IV सही है ।

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : सिंधु सभ्यता को जल-संस्कृति कहा जाता है ।

कारण : सिंधु घाटी सभ्यता पहली ज्ञात संस्कृति है जिसमें लगभग सात सौ कुएँ, नदी, स्नानागार और बेजोड़ जल निकासी की व्यवस्था है ।

विकल्प :

(A) कथन सही है, कारण ग़लत है ।

(B) कथन सही नहीं है, कारण सही है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(vi) सिंधु घाटी सभ्यता का स्वरूप था :

(A) जंगली (B) नगरीय

(C) ग्रामीण (D) कबीलाई

collegebatch.com

(vii) वर्तमान में सिंध की खास पहचान क्या बन गया ?

(A) दाढ़ी वाले 'नरेश' की मूर्ति

(B) गुलकारी वाला दुपट्टा

(C) छापे वाला कपड़ा 'अजरक'

(D) बारीक बुनाई वाला सूती कपड़ा

(viii) पत्थर की शिला पर लिखी कविता 'जूझ' कहानी के लेखक के द्वारा कब मिटाई जाती थी ?

(A) मास्टर को दिखा देने के बाद

(B) याद हो जाने के बाद

(C) मित्रों को दिखा देने के बाद

(D) मास्टर को सुना देने के बाद

(ix) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में प्रयुक्त 'असीक का फूल' से क्या तात्पर्य है ?

(A) स्वागत के फूल

(B) आशीर्वाद के फूल

(C) माला बनाने के फूल

(D) पूजा के फूल

(x) 'जब तक बाप है तब तक मौज कर ले ।' यशोधर बाबू यह बात अपने बच्चों से कहते हैं :

(A) उन पर व्यंग्य करने के लिए

(B) उनका उत्साहवर्धन करने के लिए

(C) जिम्मेदारियों से मुक्त रखने के लिए

(D) उनके प्रति अपना प्रेम व्यक्त करने के लिए

collegebatch.com

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

झूमने लगे फल,
रस अलौकिक
अमृत धाराएँ फूटतीं
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती ।
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना ।

(i) कवि-कर्म की दृष्टि से 'झूमने लगे फल' का आशय है :
- (A) कृति का पूर्ण रूप ग्रहण करना
- (B) साहित्य का आनंद आना
- (C) खेतों में फ़सल लहलहाना
- (D) हृदय का प्रसन्नता से झूमना

(ii) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए पद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए :
- (A) कविता का आनंद शाश्वत है ।
- (B) कविता का आनंद क्षणिक है ।
- (C) कविता का आनंद सीमित है ।
- (D) कविता का आनंद अल्पकाल तक है ।

(iii) काव्यांश में 'अलौकिक' से तात्पर्य है :
- (A) लौकिक
- (B) अद्‌भुत
- (C) अल्पज्ञ
- (D) आस्था

collegebatch.com

(iv) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : काव्यानंद जितना ही बँटता है उतना ही बढ़ता जाता है ।

कारण : साहित्य-सृजन प्राणिमात्र के मंगल के लिए है, काव्यानंद का वितरण लोक के आनंद का संवर्धन है ।

विकल्प :

(A) कथन सही है, कारण ग़लत है ।

(B) कथन सही नहीं है, कारण सही है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(v) 'रस का अक्षय पात्र' किसे कहा गया है ?

(A) कवि हृदय को

(B) कविता पढ़ने से मिले आनंद को

(C) साहित्य को

(D) चौकोने छोटे खेत को

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

जाड़े का दिन । अमावस्या की रात – ठंडी और काली । मलेरिया और हैज़े से पीड़ित गाँव भयार्त्त शिशु की तरह थर-थर काँप रहा था । पुरानी और उजड़ी बाँस-फूस की झोपड़ियों में अंधकार और सन्नाटे का सम्मिलित साम्राज्य ! अँधेरा और निस्तब्धता !

अँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी । निस्तब्धता करुण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी । आकाश में तारे चमक रहे थे । पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं । आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी । अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे ।

(i) गद्यांश में प्रयुक्त 'भयार्त्त' शब्द का अर्थ है :

(A) भीषण

(B) भय से पीड़ित

(C) भयंकर

(D) भयानक

(ii) गद्यांश का केन्द्रीय भाव है :

(A) गाँव की प्रकृति का चित्रण

(B) गाँव की रात्रि का चित्रण

(C) भूख और महामारी से दम तोड़ रहे गाँव की दयनीय दशा का चित्रण

(D) गाँव में व्याप्त नीरवता का चित्रण

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए :

(A) महामारी और आर्थिक तंगी की त्रासदी से जूझती ग्राम-बस्ती में आशा-किरण का आश्रय व्यर्थ प्रयास है ।

(B) महामारी और आर्थिक तंगी की त्रासदी से जूझती ग्राम-बस्ती आशा-निराशा के भाव में झूल रही है ।

(C) महामारी और आर्थिक तंगी से जूझती ग्राम-बस्ती में ग्रामीण एक दूसरे की सहायता कर रहे हैं ।

(D) महामारी और आर्थिक तंगी से जूझती ग्राम-बस्ती अपनी स्थिति से संतुष्ट है ।

(iv) प्रकृति को आँसू बहाते हुए क्यों दिखाया गया है ?

(A) काव्यात्मक रूप में प्रकृति सौंदर्य व्यक्त करने हेतु

(B) गाँव वालों के दुख में प्रकृति को दुखी दिखाने हेतु

(C) गाँव में व्याप्त सन्नाटे और अंधकार का वर्णन करने हेतु

(D) प्रकृति की विवशता और असमर्थता को प्रकट करने हेतु

(v) स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

	स्तंभ-I		*स्तंभ-II*
1.	अमावस्या की रात – ठंडी और काली	(i)	आशा एवं जिजीविषा का अभाव
2.	प्रकाश का नाम नहीं	(ii)	पीड़ित गाँव वालों की मदद न कर पाना
3.	तारे की शक्ति और ज्योति रास्ते में ही शेष हो जाती	(iii)	निराशापूर्ण परिवेश

विकल्प :

(A) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

(B) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

(C) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

(D) 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)

collegebatch.com

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) समाचार माध्यमों में किसी समाचार को प्रकाशन हेतु स्वीकार करने की निश्चित समय-सीमा को कहा जाता है :

(A) ऑन लाइन (B) ऑफ लाइन

(C) डेड लाइन (D) डेथ लाइन

(ii) एच टी एम एल क्या है ?

(A) वेबसाइट (B) वेबसीरीज़

(C) वेबफ़िल्म (D) वेबभाषा

(iii) 'अख़बार की आवाज़' किसे माना जाता है ?

(A) पहले पृष्ठ पर छपे मुख्य समाचार को

(B) संपादकीय पृष्ठ पर लिखे गए संपादकीय को

(C) अर्थव्यवस्था से जुड़ी ख़बरों को

(D) अंतिम पृष्ठ पर छपे विदेशी समाचारों को

(iv) पत्रकार द्वारा साक्षात्कार लिए जाने का उद्देश्य है :

(A) समाचार, फ़ीचर, विशेष रिपोर्ट के लिए सामग्री एकत्रित करना

(B) साक्षात्कार देने वाले व्यक्ति को प्रसिद्धि दिलाना

(C) पत्रकार द्वारा अपनी विशेष योग्यता दर्शाना

(D) पत्रकार द्वारा अपनी जिज्ञासा पूरी करना

(v) टेलीविज़न के लिए समाचार या आलेख लेखन के लिए अनिवार्य है :

(A) शब्द परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल हों

(B) समाचार की भाषा आंचलिक शब्दावली से युक्त हो

(C) समाचारों के बीच-बीच में दृश्य अवश्य उपस्थित हों

(D) बाइट, ग्राफिक के माध्यम से समाचारों की प्रस्तुति हो

collegebatch.com

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न) **40 अंक**

(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(क) स्वच्छ भारत : स्वस्थ भारत

(ख) कवि सम्मेलन की एक शाम

(ग) विज्ञापन की दुनिया

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *2×2=4*

(i) (क) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय कहानीकार द्वारा विवरण के रूप में व्यक्त प्रसंगों या मानसिक द्वंद्व के दृश्यों को नाटक में किस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है ?

अथवा

(ख) दृश्य-श्रव्य माध्यमों की तुलना में रेडियो नाटक की क्या-क्या सीमाएँ हैं ?

(ii) (क) नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में कौन-कौन सी बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

अथवा

(ख) दूरदर्शन के संदर्भ में 'लाइव प्रसारण' से क्या तात्पर्य है ? यह प्रक्रिया किस प्रकार संभव हो पाती है ?

9. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) भारत में पहला छापाखाना कब, कहाँ और किस उद्देश्य से खोला गया ?

(ख) पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं और अंशकालिक पत्रकार किन्हें कहते हैं तथा इन्हें अन्य किस नाम से जाना जाता है ?

(ग) विशेष लेखन क्या है और यह क्यों किया जाता है ?

collegebatch.com

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'हो जाए न पथ में रात कहीं' – इस काव्य पंक्ति में कवि ने किस पथ की ओर संकेत किया है ? कवि ने 'रात' शब्द का प्रयोग करके कौन-सी आशंका व्यक्त की है ?

(ख) 'बात सीधी थी पर' कविता में भाषा के विषय में व्यंग्य करके कवि क्या सिद्ध करना चाहता है ?

(ग) 'आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है' पंक्ति में कौन ज़िदयाया है ? कवि ने 'ठुनक' शब्द द्वारा बाल-मनोविज्ञान के किस पक्ष का वर्णन किया है ?

11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) भादों के बीत जाने पर प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने 'पतंग' कविता में दिखाया है उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(ख) 'बादल राग' कविता से उद्धृत निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए :
'तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया'

(ग) तुलसी ने 'कवितावली' के छंदों में तत्कालीन आर्थिक विषमताओं का स्वाभाविक चित्रण किया है । सिद्ध कीजिए कि तुलसी युग चितेरे कवि थे ।

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) घर के अन्य सहायकों की अपेक्षा भक्तिन की महादेवी जी से अंतरंगता किस प्रकार प्रमाणित होती है ?

(ख) 'खाली मन तथा भरी जेब' से लेखक का क्या आशय है ? इन बातों से बाज़ार कैसे प्रभावित होता है ? 'बाज़ार दर्शन' पाठ के संदर्भ में लिखिए ।

(ग) "रिश्तों का बंधन हमारी बौद्धिक क्षमता, तार्किक शक्ति को कमजोर करता है ।" 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए ।

collegebatch.com

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) "हाय वह अवधूत आज कहाँ है !" 'शिरीष के फूल' पाठ में लेखक के इस कथन से क्या संकेत मिलता है ?

(ख) 'श्रम विभाजन...मेरी कल्पना...समाज' पाठ में लेखक के अनुसार आदर्श समाज किसे माना गया है ?

(ग) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लिखिए लुट्टन पहलवान अपने पुत्रों को क्या शिक्षा दिया करता था ?

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

14. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'यशोधर बाबू पुरानी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हुए पुरानी परंपरा से विशेष जुड़ाव महसूस करते हैं' – इस कथन के आलोक में यशोधर बाबू का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ख) 'जूझ' पाठ के कथानायक को खेती के काम की अपेक्षा पाठशाला जाना क्यों अच्छा लगता था ?

(ग) "मुअनजो-दड़ो में प्राप्त वस्तुओं में औज़ार तो है, पर हथियार नहीं" कथन के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि सिंधु सभ्यता किस प्रकार की सभ्यता रही होगी ।